संक्षिप्त जीवनवृत्त

डॉ॰ शिवनारायण

1.	पूरा नाम	:	डॉ॰ शिवनारायण सिंह
2.	जन्म-तिथि	:	19 जनवरी, 1962 ई॰ (गाँव- बड़ी योगडीहा, जिला- बाँका, बिहार)
3.	पिता	:	स्व॰ कमलेश्वरी सिंह
4.	शिक्षा	:	एम॰ए॰ (हिन्दी, प्रथम श्रेणी, पटना विश्वविद्यालय), पी-एच॰डी॰ (राँची विश्वविद्यालय), एम॰एड॰
5.	मानद उपाधि	:	विद्यावाचस्पति, विद्यासागर (विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ)
6.	व्यवसाय	:	प्रोफेसर, स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग, श्री अरविन्द महिला कॉलेज, (पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय), पटना।
7.	स्थायी पता	:	305, अमन अपार्टमेंट, शांति निकेतन कॉलोनी, भूतनाथ रोड, पटना-800026 चलभाष- 09334333509, ईमेल : shivnarayan22@yahoo.com
8.	कार्य क्षेत्र	:	शिक्षा, साहित्य, पत्रकारिता एवं समाज सेवा
9.	सर्जना	:	कविता, कहानी, आलोचना, पत्रकारिता आदि विधाओं में विगत 45 वर्षों से अविराम लेखन। देश की प्रायः सभी प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशन।
10.	प्रकाशन	:	विभिन्न विधाओं में 46 पुस्तकें प्रकाशित। कुछ महत्त्वपूर्ण पुस्तकें निम्नस्थ हैं-

1. साहित्य का लोकतंत्र (आलोचना, 2020) आकाशदीप प्रकाशन, मुंबई
2. वचन (संपादन, 2018), वचन समिति, बंगलूर
3. प्रतिरोध का कथा-शिल्प (2017), भावना प्रकाशन, दिल्ली
4. साहित्यिक पत्रकारिता का साधु-संग्राम (2012), भावना प्रकाशन, दिल्ली
5. वृद्ध जीवन की कहानियाँ (2012), इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली
6. रचना का जनपक्ष (आलोचना, 2009), सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
7. संस्कृति का विवेक (आलोचना, 2009), श्रीनटराज प्रकाशन, दिल्ली
8. हिन्दी विज्ञापनों का समकालीन विमर्श (2009), श्रीनटराज प्रकाशन, दिल्ली
9. हिन्दी पत्रकारिता का समकालीन विमर्श (2008) श्रीनटराज प्रकाशन, दिल्ली
10. कला, साहित्य और समय (आलोचना, 2008), अयन प्रकाशन, दिल्ली
11. समकालीन प्रेम कहानियाँ (2008), अयन प्रकाशन, दिल्ली
12. विद्रोहिणी कवयित्री सुभद्राकुमारी चौहान (2007), विशाल पब्लिकेशन, दिल्ली
13. समय के सरोकार (आलोचना, 2007), विशाल पब्लिकेशन, दिल्ली
14. काला गुलाब (काव्य संग्रह 1998, 2003, 2005)
15. सफेद जनतंत्र (काव्य संग्रह 2002, 2005, 2007)
16. चम्पारण के स्वतंत्रता सेनानी (2000), अशोक प्रकाशन, पटना
17. दिल्ली में गाँव (काव्य-संग्रह, 2014), संजना प्रकाशन, दिल्ली
18. प्रवासी कथाकार तेजेन्द्र शर्मा (आलोचना, 2018), यश प्रकाशन, दिल्ली
19. झील में चाँद (गजल-संग्रह, 2019), संजना प्रकाशन, दिल्ली
20. कथा कहे बलराम (आलोचना, 2019), भावना प्रकाशन, दिल्ली
21. साहित्य का समाजशास्त्र (आलोचना, 2019), नमन प्रकाशन, कानपुर

संपादन : दर्जनाधिक पत्रिकाओं का संपादन, जिनमें प्रमुख हैं-

1. चिंतन सृजन (त्रैमासिक, दिल्ली), 2019 से अब तक
2. नई धारा (द्वैमासिक, पटना), 1990 से अब तक
3. जिज्ञासा संसार (मासिक, पटना), 2012 से अब तक
4. धर्मायण (मासिक, पटना), 1993 से 1995 तक
5. विचार दृष्टि (मासिक, पटना), 1995 से 1999 तक
6. शिक्षा डाइजेस्ट (मासिक, पटना), 1985 से 1989 तक
7. देखा-लेखा (साप्ताहिक, पटना), 1985 से 1989 तक
8. नई भूमिका (मासिक, कटिहार), 1981 से 1984 तक

: दर्जनाधिक ग्रंथों, स्मारिकाओं, विशेषांकों, अभिनन्दन ग्रंथ, स्मृतिग्रंथ आदि का संपादन।

विशेष:1. 70 से अधिक चर्चित साहित्यकारों की पुस्तकों का भूमिका लेखन।

2. शताधिक अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय सम्मेलनों, संगोष्ठियों, परिसंवादों आदि का आयोजन, संयोजन तथा संचालन। 50 से अधिक राष्ट्रीय संगोष्ठियों में बतौर स्त्रोतविद् विशेषज्ञ, मुख्य वक्ता, मुख्य अतिथि, व्याख्यानदाता आदि रूपों में आमंत्रित।
3. आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के पटना, राँची, दिल्ली आदि केन्द्रों से शताधिक कार्यक्रमों में बतौर विशेषज्ञ आमंत्रित। दिल्ली दूरदर्शन के 'पत्रिका' कार्यक्रम में सन् 2001 से आमंत्रित। दूरदर्शन भारती (दिल्ली) तथा डी॰डी॰ बिहार ने मेरे व्यक्तित्व-कृतित्व पर चार कार्यक्रम प्रसारित किए।
4. वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, भारत सरकार द्वारा 2008 से तकनीकी शब्दावली/पारिभाषिकी निर्माण संगोष्ठियों/कार्यशाला में बतौर भाषाविद् विशेषज्ञ आमंत्रित।
5. अनेक शोधार्थियों के शोधकार्यों (पी-एच॰डी॰) का निर्देशन। विभिन्न विश्वविद्यालयों में पी-एच॰डी॰ के शोधप्रबंधों का मूल्यांकन, मौखिकी में बाह्य परीक्षक के रूप में आमंत्रित, पाठ्यक्रम निर्माण विशेषज्ञ आदि दायित्वों का निर्वहन।
6. अनगिन ख्यातिलब्ध पुरस्कारों-सम्मानों की चयन समिति के सदस्य एवं संयोजक।
7. अनेक विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित यू॰जी॰सी॰ संपोषित पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में बतौर स्त्रोतविद् विशेषज्ञ आमंत्रित।
8. साहित्य अकादेमी, नेशनल बुक ट्रस्ट आदि राष्ट्रीय संस्थानों के परिसंवादों, संगोष्ठियों एवं रचना-पाठ में नियमित आमंत्रित। साहित्य अकादेमी द्वारा संपोषित पटना में 'उत्तर-पूर्व एवं उत्तर क्षेत्रीय लेखक सम्मेलन' (2018) के संयोजक।
9. अनेक पत्रिकाओं का मेरे व्यक्तित्व एवं साहित्यकर्म पर विशेषांक प्रकाशित। अनगिन प्रतिष्ठित पत्रिकाओं द्वारा साहित्यिक-सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों पर मुझसे लिए गए दर्जनाधिक साक्षात्कार प्रकाशित हुए।
10. दर्जनाधिक सरकारी, गैर सरकारी समितियों में कार्य करने का अवसर।
11. साहित्यिक/शैक्षिक गतिविधियों के निमित्त देश के लगभग सभी राज्यों का परिभ्रमण।
12. साहित्य अकादेमी, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के एक शिष्ट मंडल में शामिल हो 25-31 जुलाई, 2014 में दक्षिण अफ्रिका की यात्रा।
13. थावे विद्यापीठ, गोपालगंज का प्रथम कुलपति (2017 से)

सम्मान : साहित्यिक-सामाजिक कार्यों के लिए अनगिन सम्मानों-पुरस्कारों से विभूषित, जिनमें प्रमुख हैं- बिहार सरकार द्वारा सर्वोच्च काव्य-सम्मान 'नागार्जुन पुरस्कार' (2003), साहित्यकार संसद द्वारा 'पं॰ नरेन्द्र देव राष्ट्रीय शिखर सम्मान' (2005), विदेश मंत्रालय के भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् द्वारा 'पत्रकारिता सम्मान' (2011), 'उद्भव शिखर सम्मान' (2011, दिल्ली), भारत सरकार के केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा का 'गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार' (2011), जो भारत के राष्ट्रपति महामहिम प्रणव मुखर्जी के हाथों राष्ट्रपति भवन में प्राप्त हुआ; स्पंदन आलोचना शिखर सम्मान, भोपाल (2017); श्रीमध्य भारत हिन्दी साहित्य समिति, इंदौर द्वारा 'शताब्दी सम्मान' (2018) आदि।

सम्प्रति : 1. प्रोफेसर, स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग, श्री अरविन्द महिला कॉलेज (पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय), पटना-800004
2. संपादक, नई धारा, पटना